प्राथमिक अंग्रेज़ी

रचनात्मक कलाओं में अंग्रेज़ी सीखना

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे ।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in) ।* मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त- पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE11 v2
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन- शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

इस इकाई में कला, शिल्प और नाटक के द्वारा अंग्रेज़ी सिखाने के कुछ तरीकों पर चर्चा की गई है।

रचनात्मक कलाओं के माध्यम से अंग्रेज़ी सीखना मज़ेदार और रोचक हो सकता है। सभी आयु-वर्गों के छात्र–छात्राओं को वस्तुएँ बनाना और सक्रिय रहना अच्छा लगता है। कला, शिल्प और नाटक की गतिविधियों में अंग्रेज़ी को शामिल करने से छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी में अपनी बात कहने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इस तरह की गतिविधियों में आप छात्र–छात्राओं के साथ अपने खुद के भाषा-संबंधी कौशल का अभ्यास और विकास भी कर सकते हैं।

इस इकाई में यह सुझाव दिया गया है कि किस प्रकार अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक भाषा को सीखने की गतिविधियों को मज़बूत बनाने और इसका विस्तार करने वाली रचनात्मक गतिविधियों के लिए एक संसाधन हो सकती है।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अंग्रेज़ी भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कला और शिल्प का उपयोग करना।
- अंग्रेज़ी भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु नाटक और रोल प्ले का उपयोग करना।
- पाठ्यपुस्तक के पाठों से कला, शिल्प और नाटक की गतिविधियाँ विकसित करना।

1 अंग्रेज़ी भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कला और शिल्प का उपयोग करना

रचनात्मक कला के पाठ छात्र–छात्राओं के लिए उपयोगी होते हैं और उन्हें सक्रिय बनाते हैं। इस सत्र में सीखी और उपयोग की गयी भाषा यादगार हो सकती है। पहली केस स्टडी में, शिक्षिका इस बात पर ध्यान देती हैं कि छात्र सामान्यतः कला और शिल्प के पाठों में भाषा का उपयोग किस प्रकार करते हैं, और वे इन गतिविधियों में अंग्रेज़ी को शामिल करने का निर्णय लेती है।

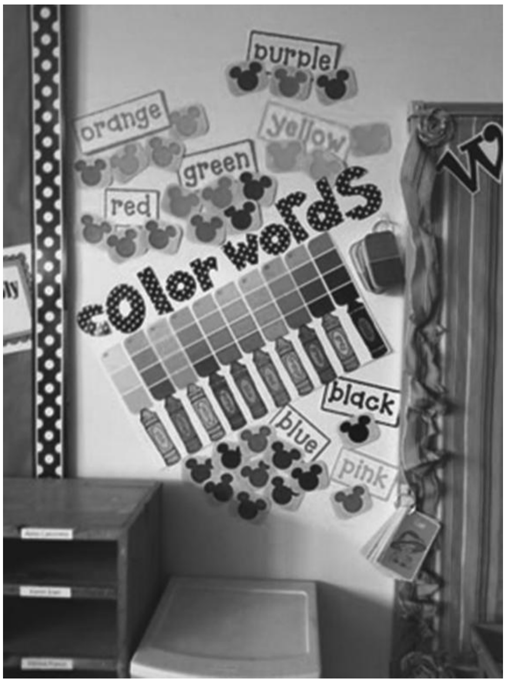

कला और शिल्प के पाठों में भाषा।

केस स्टडी 1: श्रीमती पूजा बोलचाल की अंग्रेज़ी को विकसित करने के लिए कला का उपयोग करती हैं

कक्षा पाँच की नई शिक्षिका श्रीमती पूजा, अंग्रेज़ी में अध्यापन के बारे में बहुत ज्यादा आत्मविश्वासी नहीं थी। अपने सेवा-पूर्व

शिक्षक प्रशिक्षण में उन्होंने हिन्दी अध्यापन किया था, लेकिन अंग्रेज़ी अध्यापन नहीं चुना था।

आकलन से मुझे पता चला कि कक्षा 1 के बहुत कम छात्र–छात्राओं ने अंग्रेज़ी सीखी थी। मैंने अपने सेवा-पूर्व प्रशिक्षण के बारे में सोचा, जब मैंने छात्र–छात्राओं को कला और शिल्प गतिविधियों के दौरान हिन्दी सीखते हुए देखा था। मैंने अंग्रेज़ी पाठों के लिए भी यही रणनीति आजमाकर देखना तय किया।

अपनी अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक से मैंने एक कहानी चुनी, जिसमें कई अलग अलग जानवरों के पात्र थे। मैंने अपने छात्र–छात्राओं से उस कहानी के जानवरों के मुखौटे और पोशाक बनाने को कहा।

इससे पहले कि छात्र अपने मुखौटे और पोशाकें बनाना शुरू करते, मैंने ब्लैकबोर्ड पर अंग्रेज़ी में कुछ शब्दावली लिखी:

- **Art words:** ‘colour’, ‘cut’, ‘paste’, ‘material’, ‘paint’, ‘draw’, ‘shape’.
- **Animals:** ‘monkey’, ‘tiger’, ‘deer’, ‘pig’, ‘frog’, ‘fish’.
- **Adjectives:** ‘old’, ‘young’, ‘small’, ‘big’, ‘bright’, ‘dark’, ‘brown’, ‘orange’, ‘black’, ‘green’, ‘striped’, ‘slippery’, ‘shiny’.

मैंने छात्र–छात्राओं से उन शब्दों को मेरे बाद अंग्रेज़ी में दोहराने को कहा। मैंने पाठ्यपुस्तक के चित्रों और अपने हावभावों का उपयोग करके यह सुनिश्चित किया कि वे समझ गए हैं।

जब छात्र अपने मुखौटे और पोशाकें बना रहे थे, तो मैंने उन्हें प्रोत्साहित किया कि मेरे साथ और एक-दूसरे के साथ वे जितना ज्यादा हो सके, अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग करें। जब वे काम कर रहे थे, तो मैंने भी सुझाव देने, सहमति या असहमति जताने और वर्णन करने के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग किया। उदाहरण के लिए:

- ‘Try this …’
- ‘That’s a good idea!’
- ‘Is it hard or soft?’
- ‘What colour is this?’
- ‘Please give him/her the paint.’
- ‘It’s very beautiful!’
- ‘I like it very much!’
- ‘Do you like it?’
- ‘Show me … Show [other student’s name].’

यदि मेरे छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी में कोई शब्द या वाक्य नहीं समझ पाते थे, तो मैं अपनी बात को हिन्दी में दोहराती थी। मैंने छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित किया कि वे मुखौटे और पोशाकें बनाते समय मेरे साथ और एक-दूसरे के साथ अंग्रेज़ी वाक्यों का अभ्यास करें। यह मेरी अपनी अंग्रेज़ी के लिए भी अच्छा अभ्यास करने जैसा था।

कला पाठ के अंत में, मैंने छात्र–छात्राओं से कहा कि वे अपनी कॉपी में अंग्रेज़ी में शब्द और वाक्य लिखकर अपने मुखौटों और पोशाकों का वर्णन करें। उदाहरण के लिए:

- ‘My mask is red and orange. It is a lion.’
- ‘My costume is shiny and green. I am a crocodile.

उनकी कॉपियां जाँचते समय मैंने देखा कि सभी छात्र–छात्राओं ने लिखने की कोशिश की थी, जिनमें वह छात्र भी शामिल था, जिसके डिस्लेक्सिया-ग्रस्त होने का निदान हुआ था।

ज़रा सोचिए

- श्रीमती पूजा ने इस बात का अवलोकन किया था कि छात्र–छात्राओं के लिए क्या कारगर होगा और अपने अवलोकनों के आधार पर अपना अभ्यास बनाया था। क्या आपको लगता है कि कला और शिल्प के पाठ में छात्र–छात्राओं की अंग्रेज़ी का आकलन करने के लिए श्रीमती पूजा को अच्छा मौका मिला था?
- आपके अनुसार श्रीमती पूजा के छात्र लेखन या प्रदर्शन के सन्दर्भ में अपने मुखौटों और पोशाकों से और क्या कर सकते थे?
- कला और शिल्प के पाठ में, आपके छात्र–छात्रा आपसे और एक-दूसरे से किस तरह बात करते हैं? क्या वे प्रश्न पूछते हैं, निर्देशों का पालन करते हैं और अपनी योजनाओं व अपने कार्य के परिणामों का वर्णन करते हैं? क्या वे विशेष शब्दावली का उपयोग करते हैं? आप इसका उपयोग अंग्रेज़ी भाषा के अध्यापन के लिए किस प्रकार कर सकते हैं?

कला और शिल्प के पाठों में सभी छात्र–छात्राओं को शामिल करने की संभावना होती है, जिनमें सीखने की विशेष क्षमता वाले छात्र–छात्रा भी शामिल हैं। इस इकाई के शेष भाग में आपको ऐसी गतिविधियाँ दी गई हैं, जिनका उपयोग आप अंग्रेज़ी भाषा सिखाने और सीखने के लिए कला और शिल्प के साथ कर सकते हैं।

पाठों में चर्चा और आपसी बातचीत के महत्व के बारे में अधिक जानकारी के लिए संसाधन 1, 'सोच को बढ़ावा देने लिए प्रश्न पूछना' को देखें।

गतिविधि 1: आपकी पाठ्यपुस्तक, कला और शिल्प – एक योजना निर्माण गतिविधि

अपनी अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक से कोई पाठ चुनें – यह कोई कहानी, कविता या वर्णन हो सकता है। अन्य शिक्षकों के साथ मिलकर इस बारे में अपने विचार लिखें कि कला और शिल्प की कौन-सी गतिविधियाँ इस पाठ में शामिल की जा सकती हैं। आप कला, शिल्प और नाटक के शिक्षक से इस बारे में सलाह ले सकते हैं। निम्नलिखित में से कुछ विचार इसमें शामिल हो सकते हैं:

- पात्रों के लिए कठपुतलियाँ, मुखौटे या पोशाकें बनाना
- दृश्यों या पात्रों के चित्र बनाना या उनमें रंग भरना
- मिट्टी के नमूने बनाना या इमारतों या पर्यावरण का निर्माण करना
- कहानी पर अभिनय करने के लिए रिसाइकिल की गई सामग्री से वस्तुएँ बनाना
- दृश्यावली या भित्तिचित्र के लिए एक बड़ा चित्र बनाना
- एक कोलाज बनाना
- बुनाई करना।

अब इनमें से किसी कला या शिल्प स्वरूप को अंग्रेज़ी पाठ का विस्तार करने के लिए चुनें।

उन अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों के बारे में सोचें, जिनका उपयोग छात्र–छात्राओं के साथ इस गतिविधि के लिए किया जा सकता है। इनमें निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- कला और कार्य-विशिष्ट भाषा, उदाहरण के लिए 'cut', 'paste', 'paper', 'paint', 'draw', 'clay' …
- वर्णनात्मक भाषा, उदाहरण के लिए 'bright', 'dark', 'red', 'blue', 'beautiful' …
- निर्देशात्मक भाषा और निर्देश, उदारहण के लिए 'watch', 'look', 'first', 'next', 'now you need to', 'slowly', 'carefully'…
- मूल्यांकन करने वाली टिप्पणियाँ, उदाहरण के लिए 'Do you like it?', 'What do you think?', 'Is it nice?' …

आप इस पाठ में जिन अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग करेंगे, उन्हें लिखें। इन शब्दों और वाक्यों का अभ्यास करें।

आप अपने छात्र–छात्राओं से इस पाठ में जिन अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग करवाना चाहते हैं, उन्हें लिखें।

अपने विचारों के बारे में अन्य शिक्षकों या अपने प्रधानाध्यापक के साथ चर्चा करने।

गतिविधि 2 में, आप उस पाठ को कार्यान्वित करेंगे, जिसकी आपने योजना बनाई है।

गतिविधि 2: कला या शिल्प के पाठ में अंग्रेज़ी का उपयोग करना

छात्र–छात्राओं को बताएँ कि आप उनसे कला या शिल्प गतिविधि में अंग्रेज़ी का उपयोग करने की उम्मीद करते हैं। सामग्रियों और साधनों पर अंग्रेज़ी में लेबल लगाएँ। छात्र–छात्राओं को समूह में काम करते समय उपयोग करने के लिए सरल वाक्य सिखाएँ, जैसे:

- 'Please give me ______?'

- ‘Will you please pass the _______?’
- ‘May I take _______?’

निर्देश अंग्रेज़ी में दें और अंग्रेज़ी में ही दोहराएँ। केस स्टडी 1 की शिक्षिका के समान ही, आप अपने छात्र–छात्राओं से जिस अंग्रेज़ी का उपयोग करवाना चाहते हैं, उसका नमूना उन्हें दें। वर्णन करने, प्रशंसा करने और प्रश्न पूछने के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करें। जब छात्र काम कर रहे हों, तो कक्षा में घूमते रहें और उनके द्वारा उपयोग की जा रही अंग्रेज़ी का अनुश्रवण (monitoring) करें और उनकी सहायता करें।

आप अंग्रेज़ी का उपयोग करने की छात्र–छात्राओं की कोशिश का आकलन कर सकते हैं। सारणी 1 में दर्शाई गई सरल जाँच-सूची का उपयोग करें।

सारणी 1: *छात्र–छात्राओं के अंग्रेज़ी उपयोग की जाँच-सूची।*

छात्र का नाम	अंग्रेज़ी का उपयोग अक्सर करता है	अंग्रेज़ी का उपयोग कभी-कभार करता है	अभी तक अंग्रेज़ी के उपयोग की कोशिश नहीं की है

छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करें कि वे कला या शिल्प पाठ में जो अंग्रेज़ी सीखते हैं, उसका वे उपयोग करें। इससे अलग अलग उद्देश्यों के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करने का उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

2 कला, बातचीत और लेखन

अब इन गतिविधियों को आजमाएँ।

गतिविधि 3: कला, बातचीत और लेखन

कला से भाषा सीखने और भाषा का अभ्यास करने की गति बढ़ सकती है। कक्षा छः के छात्र–छात्राओं द्वारा बनाई गई ये दो पेंटिंग देखें। शिक्षक ने छात्र–छात्राओं से अपनी पेंटिंग का वर्णन करने को कहा। शिक्षक ने ये वर्णन हिन्दी और अंग्रेज़ी में लिखकर इन चित्रों के साथ लगाने के लिए द्विभाषी पठन अनुच्छेद बनाए। छात्र–छात्राओं ने अपने भाषा पाठ में इन अनुच्छेदों को पढ़ने का अभ्यास किया।

इसके बाद शिक्षक ने, सुनकर लिखे गए इन वर्णनों का उपयोग करके निम्नलिखित पठन और लेखन गतिविधि तैयार की। इसे खुद भी आज़माकर देखें।

इस पेंटिंग को देखें [चित्र 2]।

चित्र 1: कक्षा छः के छात्र द्वारा बनाई गई पेंटिंग

बॉक्स में दिए गए शब्दों के द्वारा अनुच्छेद के खाली स्थान भरें।

On the right side ____________ a man is standing near a big bin. On the ____________ there is a woman. She ____________ doing some work. There are children playing ____________ their parents. The house ____________ it belongs to this family. By the river ____________ many trees. The sky ____________ and the trees ____________.

seems to be	left side	looks like	there is
is blue	are green	near	there are

अब दूसरी पेंटिंग को देखें [चित्र 3]।

चित्र 2: कक्षा छः के छात्र द्वारा बनाई गई एक अन्य पेंटिंग।

चित्र के बारे में अंग्रेज़ी में एक छोटा-सा अनुच्छेद लिखें और उसे ऊंची आवाज़ में पढ़कर सुनाएँ।

अब इस अनुच्छेद में खाली छोड़ने के लिए कुछ शब्द और वाक्यांश चुनें तथा उन्हें अपने लेखन में चिह्नित करें।

आप छोटी या बड़ी कक्षाओं के लिए इस गतिविधि को कैसे अनुकूलित करेंगे?

गतिविधि 4: कला, बातचीत और लेखन – एक योजना निर्माण गतिविधि

पिछली गतिविधि का उपयोग एक मार्गदर्शिका के रूप में करते हुए, छात्र–छात्राओं द्वारा बनाई गई पेंटिंग का उपयोग करके एक अभ्यास विकसित करें, जिससे छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी भाषा-संबंधी कौशल का विकास करने में मदद मिल सके। यदि आपके पास आपके छात्र–छात्राओं द्वारा बनाए गए चित्र नहीं हैं, तो आप पत्रिकाओं, अख़बारों या कैटलॉग के चित्रों का उपयोग कर सकते हैं।

यह गतिविधि लागू करने के लिए आपको जिन चरणों की ज़रुरत होगी, उनकी सूची बनाएँ।

क्या आप इसे एक पाठ में पूरा करेंगे या दो पाठों में?

अब अपने छात्र–छात्राओं के साथ यह गतिविधि कार्यान्वित करें। क्या उन्हें इसमें मज़ा आता है? क्या सभी छात्र–छात्राओं ने इसमें भाग लिया? क्या आपने किसी ऐसे छात्र पर ध्यान दिया, जिसने भाग नहीं लिया था?

इस तरह की कला गतिविधि छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी में बोलने और लिखने के लिए प्रोत्साहित करती है। ऐसी गतिविधियों से आपके छात्र–छात्राओं को उनके बीच होने वाली दादागिरी और सामाजिक भेदभाव के बारे में बिना धमकी वाली भाषा में बोलने और लिखने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए, एक शिक्षक छात्र–छात्राओं के चित्रों का उपयोग करके बड़े पैमाने पर महिलाओं के रसोईघर में काम करते हुए और पुरुषों को अखबार पढ़ते हुए दिखाकर लिंग-आधारित रुढ़िवाद के बारे में सोचने की प्रेरणा दे सकते हैं।

3 अंग्रेज़ी भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु नाटक और रोल प्ले का उपयोग करना

नाटक की गतिविधियों से भी छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी बोलने और इसका अभ्यास करने हेतु प्रोत्साहन मिलता है। भाषा की पाठ्यपुस्तक के पाठ को नाटक के रूप में प्रस्तुत करना अंग्रेज़ी सिखाने की एक बहुत अच्छी विधि है। आपके मन में इस बारे में झिझक हो सकती है क्योंकि शायद आपके पास नाटक या थिएटर का कोई प्रशिक्षण नहीं है। लेकिन कक्षा में नाटक का उपयोग करने के लिए आपको इसका विशेषज्ञ होना ज़रूरी नहीं है, जैसा कि आप अगली केस स्टडी में देखेंगे।

केस स्टडी 2: सुश्री शालिनी पाठ्यपुस्तक से एक नाटक तैयार करती हैं

सुश्री शालिनी कक्षा पाँच की शिक्षिका हैं।

मैंने SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part 5 से एक लड़के के बारे में एक छोटा और सरल पाठ (An act of bravery) चुना, जिसमें वह अपने साहस और बुद्धिमत्ता से चोरी की एक घटना को विफल कर देता है और चोर पकड़े जाते हैं। मैंने इसे इसलिए चुना कि छात्र इसे अच्छी तरह जानते थे और इसके कुछ संवाद भी तैयार थे।

पहले मैंने अंग्रेज़ी में कहानी सुनाई, और इसमें उन शब्दों पर ध्यान केंद्रित किया, जिन्हें छात्र पहले से जानते थे, जैसे 'thief', 'carrying', 'his', 'strange' और 'immediately'। मैंने छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित किया कि जब मैं कहानी सुना रही थी, तब वे भी मेरे साथ जुड़ें।

इसके बाद मैंने छात्र–छात्राओं को बताया कि उन्हें इस कहानी पर आधारित एक नाटक करना है। छात्र बहुत रोमांचित थे क्योंकि उन्होंने इससे पहले कभी कोई नाटक नहीं किया था।

मैंने उन्हें समझाया कि इसमें हर छात्र के लिए एक भूमिका होगी। मैंने कुछ नए पात्र बनाए थे: उस लड़के के लिए कुछ

दोस्त, एक राजा और एक रानी। मैंने छात्र–छात्राओं से उनके विचार मांगे, और उन्होंने सुझाव दिया कि इसमें एक डॉक्टर, एक शिक्षक, एक राजकुमारी, एक फिल्म स्टार और एक राक्षस के पात्र भी होने चाहिए।

मैंने छात्र–छात्राओं की जोड़ियाँ बनाई और उन्हें कहा कि वे ज़्यादा से ज़्यादा अंग्रेज़ी का उपयोग करके अपनी भूमिकाओं के संवादों में सुधार करें। छात्र–छात्राओं ने अलग अलग शब्दों और वाक्यांशों को आज़माकर देखा। मैं यह सुनकर चकित रह गई कि वे अंग्रेज़ी के उन शब्दों का उपयोग भी कर रहे थे, जो उन्हें कक्षा में सिखाए नहीं गए थे। उदाहरण के लिए, छात्र–छात्राओं की एक जोड़ी ने कहानी के पात्रों से यह संवाद विकसित किया था:

- 'That is very bad! Such a small way!'
- 'No! Look! Watch me, I will do better!'

कुछ छात्र–छात्राओं में अंग्रेज़ी में अपने संवाद विकसित कर पाने में आत्मविश्वास की कमी थी। मैंने उनसे उनके विचारों को अंग्रेज़ी में व्यक्त करने के अलग अलग तरीकों के बारे में हिन्दी और अंग्रेज़ी में चर्चा की।

जब छात्र–छात्राओं ने अपने संवादों का अभ्यास कर लिया और वे इससे खुश थे, तो मैंने सभी से कहा कि वे अधिक अभिव्यक्ति और हावभावों के साथ अपने संवादों को बोलने का अभ्यास करें। मैंने एकदम सही उच्चारण पर ज़ोर नहीं दिया। जब छात्र अभ्यास कर रहे थे, तो मैं उनके अंग्रेज़ी के उपयोग और आत्मविश्वास का अवलोकन करने में सक्षम हो सकी। मुझे उनकी प्रगति के बारे में टिप्पणियाँ लिखने का समय मिला।

चूंकि यह अधिक छात्र–छात्राओं वाली एक कक्षा थी, इसलिए मैंने दो समूह बनाने का निर्णय किया, ताकि एक समूह दूसरे के लिए दर्शक बने और दूसरा समूह पहले वाले समूह के लिए दर्शक बने। यह उनके सुनने के कौशल के लिए अच्छा था।

वीडियो: जोड़े में कार्य करना

गतिविधि 5: एक पाठ को संवाद में बदलना – एक योजना निर्माण गतिविधि

अपनी पाठ्यपुस्तक से, एक अध्याय चुनें, जिसमें पात्र हैं और जिसे आप एक संवाद में बदल सकते हैं। आप कोई ऐसा अध्याय भी ढूँढ सकते हैं, जिसमें पहले से ही संवाद और पात्र मौजूद हैं।

अपने सीखने की योजना बनाएँ और इन प्रश्नों से मदद लें:

- इस अध्याय में कितने पात्र हैं?
- क्या आपको ज्यादा पात्र बनाने की ज़रुरत पड़ेगी, ताकि सभी छात्र–छात्राओं को इसमें भूमिका मिल सके?
- आप ज्यादा पात्र बनाने में छात्र–छात्राओं को किस तरह शामिल कर सकते हैं?
- क्या आपको किसी भी अध्याय को संवाद के रूप में बदलने के लिए इसे फिर से लिखना पड़ेगा?
- आप इन संवादों को विकसित करने में छात्र–छात्राओं को किस प्रकार शामिल कर सकते हैं?
- आपके अनुसार किन शब्दों या वाक्यांशों को समझना और उच्चारण करना कठिन है? आप और आपके छात्र इनका अभ्यास किस प्रकार करेंगे?
- आप कक्षा को किस प्रकार व्यवस्थित करेंगे, ताकि सभी छात्र भाग लेने में सक्षम हो सकें?
- अपने सहकर्मियों से बात करें कि आप अपनी योजना किस तरह कार्यान्वित कर सकते हैं।

'नाटक' का अर्थ यह नहीं है कि यह बिल्कुल थिएटर जैसा प्रदर्शन होना चाहिए। भाषा के एक पाठ में, नाटक के द्वारा छात्र–छात्राओं और शिक्षकों के बीच बातचीत को विकसित करने, संवाद तैयार करने और भूमिकाओं से परिचित होकर तथा उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके उनका अभ्यास करने में मदद मिलती है।

छात्र–छात्रा आपके प्रोत्साहन और नकल के द्वारा रोल प्ले करके अंग्रेज़ी को विकसित कर सकते हैं। रोल प्ले में, आप छात्र–छात्राओं को काल्पनिक, लेकिन फिर भी परिचित परिस्थितियों में अंग्रेज़ी का उपयोग करने की प्रेरणा देते हैं। अगली केस स्टडी में इसका प्रदर्शन किया गया है।

केस स्टडी 3: सुश्री सपना रोल प्ले का परिचय देती हैं

सुश्री सपना कक्षा चार की शिक्षिका हैं। छात्र कक्षा एक में अंग्रेज़ी सीखना शुरू करते हैं, लेकिन जब सपना की कक्षा में पहुँचते हैं, तब तक भी आमतौर पर वे अंग्रेज़ी नहीं बोल सकते।

मैं एक मज़ेदार गतिविधि विकसित करना चाहती थी, जिसके द्वारा छात्र एक दूसरे के साथ अंग्रेज़ी का अभ्यास कर सकें। अपनी कक्षा के चारों कोनों में मैंने एक छोटा डेस्क रखा। मैंने प्रत्येक डेस्क पर अंग्रेज़ी में एक संकेत लगाया:

- Doctor's Office
- Garage
- Ticket Office
- School

मैंने छात्र–छात्राओं से पूछा: इन स्थानों पर क्या होता है? यहाँ कौन काम करता है? वे क्या बोलते हैं? क्या वे अंग्रेज़ी में कुछ बोलते हैं? क्या वे अंग्रेज़ी में कुछ लिखते हैं? उनके पास उनके जीवन के अनुभवों से ढेर सारे विचार थे क्योंकि हमारे समुदाय के बहुत-से लोग कार्य के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करते हैं।

मैंने उन्हें दिखाया कि मैं छात्र–छात्राओं से इन भागों का उपयोग किस तरह करवाना चाहती थी। मैं 'Doctor Sapna' बनी। मैं डेस्क पर बैठ गई और छात्र–छात्राओं से कहा कि वे अपने अपॉइंटमेंट का इंतज़ार करें। मैंने एक छात्र को डेस्क पर बुलाया। मैंने उससे पूछा: 'Are you sick? What is your problem? I will give you some medicine. You must take it three times a day.' छात्र को जितना ज्यादा संभव हो, मेरी बात का उत्तर अंग्रेज़ी में देना था।

मैंने छात्र–छात्राओं को चार समूहों में रखा, जिनमें से प्रत्येक समूह रोल प्ले के एक क्षेत्र के लिए था। मैंने एक छात्र को प्रत्येक समूह का प्रभारी बनाया और उसे यह सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी दी कि हर किसी को बोलने का और मुख्य भूमिका निभाने का मौक़ा मिले।

शुरू करने के लिए, मैंने सहयोगियों से कहा कि सबसे पहले वे प्रत्येक क्षेत्र में भूमिका अदा करें। मैंने बाकी लोगों को उनकी नकल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मैंने प्रत्येक समूह की मदद की और गतिविधि पर ध्यान रखा। 'school' क्षेत्र को देखना बहुत ही अद्भुत था, क्योंकि छात्र उसमें मेरी ही भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे थे! मैंने छात्र–छात्राओं की बातों को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया और उनके शब्द उन्हें फिर से सुनाए, ताकि वे खुद को अंग्रेज़ी का उपयोग करते हुए सुन सकें।

	रोल–प्ले के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part 02 के पाठ संख्या 06 (पेज 35), तथा Blossom part 5 की पाठ संख्या 02 (पेज 13), पाठ संख्या 03 (पेज 24), पाठ संख्या 16 (पेज 128) का उपयोग कर सकते हैं।

गतिविधि 6: रोल प्ले – एक योजना निर्माण गतिविधि

अपनी कक्षा में रोल प्ले की विषय–वस्तु तय करें। आप केस स्टडी 3 के उदाहरणों का उपयोग कर सकते हैं या यह कोई फलों की दुकान, हेल्थ क्लिनिक या बस स्टैंड हो सकता है। उन अंग्रेज़ी शब्दों या वाक्यों को तय करें, जो आप इन परिस्थितियों में छात्र–छात्राओं को सिखाना चाहते हैं।

इन स्थानों के बारे में अपने छात्र–छात्राओं से बात करें। उनमें लोग एक-दूसरे से क्या कहते हैं? उस भाषा का नमूना बताएँ, जिसे आप अपने छात्र–छात्राओं से उपयोग करवाना चाहते हैं। इन मुख्य शब्दों और वाक्यांशों को बोर्ड पर या किसी पोस्टर में लिखना एक अच्छा विचार है। छोटे छात्र–छात्राओं के लिए आप शब्द के आगे चित्र भी बना सकते हैं ताकि उन्हें शब्द सीखने में मदद मिले।

इसके बाद अपने छात्र–छात्राओं से उस परिस्थिति का अभिनय करने को कहें। जब आप इन क्षेत्रों में छात्र–छात्राओं का अवलोकन करते हैं, तो इस बात पर ध्यान दीजिए कि क्या कोई ऐसे छात्र हैं, जो अंग्रेज़ी बेहतर ढंग से बोलते हैं। क्या वे कम आत्मविश्वास वाले छात्र–छात्राओं की मदद कर रहे हैं?

आप ऐसे छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन भी कर सकते हैं, जो दिखाते हैं कि वे समझ गए हैं, लेकिन अभी तक सिर हिलाकर, निर्देशों का पालन करके या 'yes' या 'no'. के लिए एक शब्द में उत्तर देकर बात नहीं करते, यदि आपके पास एक मोबाइल फोन है, तो इन छात्र–छात्राओं का वीडियो रिकॉर्ड करें और उन्हें दिखाएँ।

4 सारांश

हम आशा करते हैं कि यह इकाई आपको पसंद आई होगी, और इससे आपको अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक से कला, शिल्प और नाटक को एकीकृत करने की दिशा और आत्मविश्वास मिला होगा।

क्यों न आप कुछ ऐसी कल्पनाशील और रोचक गतिविधियों की योजना बनाएँ, जिनके द्वारा आप अपने छात्र–छात्राओं के साथ मिलकर अंग्रेज़ी का अभ्यास कर सकें? जब छात्र कला, शिल्प और नाटक के साथ अंग्रेज़ी सीखते हैं, तो आप उनके कार्य की प्रस्तुति या प्रदर्शन स्कूल के सामने या अभिभावकों के सामने कर सकते हैं।

प्रारंभिक अंग्रेज़ी हेतु इस विषय पर अन्य शिक्षक विकास इकाईयाँ हैं:

- *पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक ढंग से उपयोग करना*
- *गीत, कविताएँ और शब्द खेल*
- *सीखने की योजना बनाना*
- *अंग्रेज़ी और विषय सामग्री एकीकरण*
- *अंग्रेज़ी के लिए सामुदायिक संसाधन।*

संसाधन

संसाधन 1: सोच को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न पूछना

शिक्षक अपने छात्र–छात्राओं से हर समय प्रश्न पूछते है; प्रश्नों का तात्पर्य होता है कि शिक्षक सीखने, और अधिक सीखने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद कर सकें। एक अध्ययन (हैस्टिंग्ज, 2003) के अनुसार, शिक्षक औसत रूप से अपना एक तिहाई समय छात्र–छात्राओं से प्रश्न पूछने में बिताते हैं। पूछे गए प्रश्नों में से, 60 प्रतिशत ने तथ्यों का स्मरण दिलवाया और 20

प्रतिशत प्रक्रियागत थे (हैटी, 2012)। इन प्रश्नों के अधिकांश उत्तर या तो सही थे या गलत। लेकिन क्या ऐसे प्रश्न पूछने भर से, जो या तो सही हैं या गलत, सीखने को बढ़ावा मिलता है?

प्रश्न कई प्रकार के होते हैं जो छात्र–छात्राओं से पूछे जा सकते हैं। शिक्षक जो उत्तर और परिणाम चाहता है, उसी के अनुसार तय होता है कि शिक्षक को किस प्रकार के प्रश्नों का उपयोग करना चाहिए। शिक्षक छात्र–छात्राओं से आमतौर पर इसलिए प्रश्न पूछते हैं ताकि:

- जब कोई नया विषय या सामग्री प्रस्तुत की जाती है, तब उसे समझने की दिशा में छात्र–छात्राओं का मार्गदर्शन कर सकें
- और अधिक चिंतन करने के लिए छात्र के ऊपर जोर डाल सकें
- त्रुटि सुधार सकें
- छात्र–छात्राओं में कसावट ला सकें
- समझ की जांच-परख कर सकें।

प्रश्न पूछने का उपयोग आमतौर पर यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि छात्र क्या जानते हैं, इसलिए उनकी प्रगति के आकलन के लिए यह महत्वपूर्ण है। प्रश्नों का उपयोग प्रेरित करने, छात्र–छात्राओं के विचार-कौशल को बढ़ाने और जिज्ञासु मस्तिष्क विकसित करने के लिए भी किया जा सकता है। इन्हें दो वृहद श्रेणियों में बांटा जा सकता है:

- **निचले दर्जे के प्रश्न**, जो तथ्यों और पहले से सीखे हुए ज्ञान का स्मरण करवाते हैं। ये प्रायः बंद प्रश्न होते हैं (उत्तर हां या ना में)।
- **उच्चतर दर्जे के प्रश्न**, जो अधिक चिंतन की मांग करते हैं। ये छात्र–छात्राओं को एक उत्तर तैयार करने के लिए या तार्किक ढंग से एक दलील का समर्थन
  करने के लिए पहले से सीखी गई जानकारियों को एकत्रित करने के लिए कहते हैं। उच्चतर दर्जे के प्रश्न प्रायः अधिक खुले होते हैं।

खुले प्रश्न छात्र–छात्राओं को पाठ्यपुस्तक-आधारित शाब्दिक उत्तरों से आगे जाकर सोचने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, इस तरह उत्तरों की एक श्रृंखला सामने लाते हैं। ये विषयवस्तु के बारे में छात्र–छात्राओं की समझ का आकलन करने में भी शिक्षक की मदद करते हैं।

छात्र–छात्राओं को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना

अनेक शिक्षक प्रश्न के उत्तर की मांग करने से पहले एक सेकंड से भी कम समय देते हैं और इसलिए अक्सर या तो स्वयं ही प्रश्न का उत्तर दे देते हैं या प्रश्न को दूसरे शब्दों में रख देते हैं (हैस्टिंग्ज, 2003)। छात्र–छात्राओं के पास केवल प्रतिक्रिया करने का समय होता है - सोचने का समय नहीं होता! यदि आप उत्तर की अपेक्षा करने से पहले चंद सेकंड प्रतीक्षा कर लें, तो छात्र–छात्राओं को सोचने का समय मिल जाएगा। इसका छात्र–छात्राओं की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रश्न पूछने के बाद प्रतीक्षा करने से निम्नांकित में वृद्धि होती है:

- छात्र–छात्राओं के उत्तरों की लंबाई
- उत्तर देने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या
- छात्र–छात्राओं का बारंबार प्रश्न पूछना
- कम समर्थ छात्र–छात्राओं के उत्तरों की संख्या
- छात्र–छात्राओं के बीच आपस में सकारात्मक संवाद

आपकी प्रतिक्रया का महत्व है

आप दिए जाने वाले उत्तरों को जितने अधिक सकारात्मक ढंग से ग्रहण करेंगे, छात्र उतना ही अधिक सोचने का प्रयास जारी रखेंगे। गलत उत्तरों और गलत धारणाओं में सुधार सुनिश्चित करने के कई तरीके हैं, और यदि एक छात्र के मन में त्रुटिपूर्ण विचार है, तो आप यकीन कर सकते हैं कि कई और के मन में भी होगा। आप नीचे लिखे प्रयास कर सकते हैं:

- उत्तरों के उन अंशों को चुनकर निकालिए जो सही हैं, और मददगार ढंग से उस छात्र को अपने उत्तर के बारे में थोड़ा और सोचने के लिए कहें। यह ज्यादा सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और अपनी गलतियों से सीखने में आपके छात्र–छात्राओं की मदद करता है। नीचे लिखी टिप्पणी दर्शाती है कि एक गलत उत्तर पर आप सहयोगपूर्ण प्रतिक्रिया किस प्रकार दे सकते हैं: 'भाप से बादल बनते हैं यह तो तुमने सही कहा, लेकिन बारिश के बारे में तुमने जो कहा उसके बारे में मुझे लगता है हमें कुछ और खोजबीन की जरूरत है। क्या कोई और कुछ विचार दे सकता है?'
- छात्र–छात्राओं द्वारा दिए गए सभी उत्तरों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें, और फिर छात्र–छात्राओं से उन सबके बारे में सोचने के लिए कहें। आपकी राय में कौन से उत्तर सही हैं? कौन से उत्तरों में से दिए जा रहे दूसरे उत्तर निकले सकते हैं? इससे आपको यह समझने का मौका मिलता है कि आपके छात्र किस ढंग से सोच रहे हैं और आपके छात्र–छात्राओं को अपनी गलत धारणाओं को, जो उनके मन में रही हो सकती हैं, भयभीत हुए बगैर सुधारने का मौका मिलता है।

सभी उत्तरों को ध्यानपूर्वक सुनकर और छात्र–छात्राओं को और अधिक समझाने के लिए कहकर सम्मान दें। यदि आप सभी उत्तरों को, चाहे वे सहीं हों या गलत, और अधिक समझाने के लिए कहेंगे, तो कोई गलती होने पर छात्र स्वयं ही उसे सुधार लेंगे। इस तरह आप एक सोचने वाली कक्षा का विकास करेंगे और आप वास्तव में जान सकेंगे कि आपके छात्र–छात्राओं ने क्या सीखा है और इससे आगे कैसे बढ़ना है। यदि गलत उत्तरों के परिणामस्वरूप अपमान और दंड मिलता है, तो आपके छात्र और भी शर्मिंदगी तथा उपहास का पात्र बनने के भय से कोशिश करना बंद कर देंगे।

उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना

यह महत्वपूर्ण है कि आप प्रश्न पूछने के ऐसे अनुक्रम का पालन करने का प्रयत्न करें, जो सही उत्तरों के साथ समाप्त न होता हो। सही उत्तरों का पुरस्कार ऐसे फॉलो-अप प्रश्नों के रूप में देना चाहिए जो ज्ञान को बढ़ाएं और छात्र–छात्राओं को शिक्षक के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करें। आप ऐसा यह पूछकर कर सकते हैं:

- एक *कैसे* या एक *क्यों*
- उत्तर देने का कोई और तरीका
- एक बेहतर शब्द
- उत्तर की पुष्टि करने के लिए प्रमाण
- एक संबंधित कौशल से जोड़ना
- एक नए विन्यास में समान कौशल या तर्क को लागू करना।

अपने उत्तर के बारे में और अधिक गहराई तक जाकर सोचने में छात्र–छात्राओं की मदद करना (और इस तरह उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना) आपकी भूमिका का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नीचे लिखे कौशल छात्र–छात्राओं की और अधिक उपलब्धि प्राप्त करने में मदद करेंगे:

- **अनुबोधन** में संकेत देने की आवश्यकता होती है - ऐसे संकेत जो छात्र–छात्राओं को उनके उत्तरों को विकसित करने और बेहतर बनाने में मदद करें। आप पहले यह बताना चुन सकते हैं कि उत्तर में क्या सही है और फिर जानकारी, आगे के प्रश्न और अन्य संकेत दे सकते हैं। ('तो अगर तुम कागज के अपने हवाई जहाज के आखिर में वजन रखो तो क्या होगा?')

- **जाँच–पड़ताल** में और अधिक जानने का प्रयास किया जाता है, छात्र जो कहना चाह रहे हैं उसे स्पष्ट करने में उनकी मदद की जाती है, ताकि अव्यवस्थित उत्तर को या आंशिक रूप से सही उत्तर को सुधारा जा सके। ('तो यह आपस में कैसे जुड़ता है इसके बारे में तुम मुझे और क्या बता सकते हो?')
- **पुर्नसंक्रेंद्रण** या फिर से ध्यान केंद्रित करने में सही उत्तरों को आगे बढ़ाया जाता है, ताकि छात्र–छात्राओं के ज्ञान को उनके द्वारा पूर्व में सीखे गए ज्ञान से जोड़ा जा सके। यह उनकी समझ को विकसित करता है। ('तुमने जो कहा सही है, लेकिन पिछले हफ्ते अपने स्थानीय पर्यावरण के विषय में हम जो देख रहे थे उससे यह कैसे जुड़ता है?')
- **अनुक्रमण** का अर्थ है प्रश्नों को एक ऐसे क्रम में पूछना, जो चिंतन को आगे बढ़ाने के लिए बनाया गया हो। प्रश्नों को इस तरह क्रमबद्ध होना चाहिए कि वे छात्र–छात्राओं को संक्षेपण करने, तुलना करने, व्याख्या करने या विश्लेषण करने की ओर ले जाएँ। प्रश्न ऐसे तैयार करें जिनसे छात्र–छात्राओं को मस्तिष्क पर जोर डालना पड़े, लेकिन उन्हें इस हद तक भी चुनौती न दें कि वे प्रश्नों का अर्थ ही गंवा बैठें। 'जरा बताओ तो तुम अपनी पहले वाली समस्या से कैसे उबरे। उससे क्या फर्क पड़ा? तुम्हें क्या लगता है कि अपनी अगली समस्या से निपटने के लिए तुम्हें क्या चाहिए?')
- **सुनना** यानी ध्यानपूर्वक सुनकर आप न सिर्फ उस उत्तर की तलाश कर पाते हैं जिसकी आप अपेक्षा कर रहे हैं, बल्कि असाधारण या अभिनव उत्तरों के प्रति भी सचेत होते हैं, जिनकी अपेक्षा आपने नहीं की होगी। इससे यह भी प्रदर्शित होता है कि आप छात्र–छात्राओं की विचारशीलता को महत्व देते हैं और इससे उनके अधिक विचारपूर्ण उत्तर देने की संभावना बढ़ जाती है। इस प्रकार के उत्तर उन भ्रांतियों पर रोशनी डाल सकते हैं जिन्हें सुधारने की जरूरत होती है, अथवा वे एक नया तरीका दिखा सकते हैं जिस पर आपने विचार न किया हो। ('मैंने तो इस बारे में सोचा ही नहीं। मुझे और बताओ तुम इस ढंग से क्यों सोच रहे हो।')

शिक्षक के नाते, यदि आपको अपने छात्र–छात्राओं से रोचक और अण्वेषणकारी उत्तर निकलवाने हैं, तो आपको प्रेरक और चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछने होंगे। आपको उन्हें सोचने के लिए समय देना होगा और आप आश्चर्य में पड़ जाएंगे कि आपके छात्र कितना अधिक जानते हैं और उनके सीखने की क्रिया को आगे बढ़ाने में आप कितनी अच्छी तरह मदद कर सकते हैं।

याद रखिए, प्रश्न पूछने का संबंध उससे नहीं है जो शिक्षक जानता है, बल्कि उससे है जो छात्र जानते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आपको कभी भी स्वयं अपने प्रश्नों का उत्तर नहीं देना चाहिए! आखिरकार, यदि छात्र जानते हैं कि कुछ सेकंड की खामोशी के बाद प्रश्नों का उत्तर आप उन्हें दे ही देंगे, तो उत्तर देने के लिए उनका प्रोत्साहन भला क्या है?

अतिरिक्त संसाधन

- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Amritavalli, R. (2007) *English in Deprived Circumstances: Maximising Learner Autonomy*. Department of Linguistics, The English and Foreign Languages University, University Publishing Online: Foundation Books.

Cummins, J. (undated) 'BICS and CALP' (online), Jim Cummins' Second Language Learning and Literacy Development Web. Available from: http://iteachilearn.org/cummins/bicscalp.html (accessed 2 July 2014).

Cummins, J. (2000) *Language, Power, and Pedagogy: Bilingual Children in the Crossfire*. Bristol: Multilingual Matters.

Gibbons, P. (2002) *Scaffolding Language, Scaffolding Learning: Teaching Second Language Learners in the Mainstream Classroom*. Portsmouth: Heinemann.

Hastings, S. (2003) 'Questioning', *TES Newspaper*, 4 July. Available from: http://www.tes.co.uk/article.aspx?storycode=381755 (accessed 22 September 2014).

Hattie, J. (2012) *Visible Learning for Teachers: Maximising the Impact on Learning*. Abingdon: Routledge.

Krashen, S. (1981) *Second Language Acquisition and Second Language Learning*. Oxford: Pergamon Press.

Krashen, S. (1982) *Principles and Practice in Second Language Acquisition*. Oxford: Pergamon Press.

Mohan, B. (1986) *Language and Content*. Reading, MA: Addison-Wesley.

Mohan, B., Leung, C. and Davison, C. (eds) (2001) *English as a Second Language in the Mainstream: Teaching, Learning and Identity*. New York, NY: Longman.

Wells, G. (2003) 'Children talk their way into literacy', published as 'Los niños se alfabetizan hablando' in García, J.R. (ed.) *Enseñar a escribir sin prisas … pero con sentido*. Sevilla, Spain: Publicaciones MCEP. Available from: http://people.ucsc.edu/~gwells/Files/Papers_Folder/Talk-Literacy.pdf (accessed 8 July 2014).

Wells, G. (2009) *The Meaning Makers: Learning to Talk and Talking to Learn*, 2nd edn. Bristol: Multilingual Matters.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा लाइसेंस के अंतर्गत ही इस प्रोजेक्ट में उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons Licence से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि यह सामग्री अपरिवर्तित रूप से केवल TESS-India प्रोजेक्ट में ही उपयोग की जा सकती है और यह किसी अनुवर्ती OER संस्करणों में उपयोग नहीं की जा सकती। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोत का कृतज्ञतारूपी आभार किया जाता है:

चित्र 1 और 2: http://www.childrensbooktrust.com (Figures 1 and 2: http://www.childrensbooktrust.com)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।